GIRLS' HIGH SCHOOL & COLLEGE, PRAYAGRAJ

WORKSHEET. NO - 03

SESSION - 2020 - 2021

CLASS - 8th A, B, C, D, E.

SUBJECT - HINDI LITERATURE.

निर्देश :- अभिभावकों से निवेदन है कि दी गई पंक्तियों को ध्यानपूर्वक पढ़कर कठिन शब्दों को समझने और प्रश्नों के उत्तर लिखने में बच्चों की सहायता करें।

पा० - हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती

प्रस्तुत कविता की पंक्तियाँ - 'हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती' नामक पा० से ली गयी हैं। इसके रचयिता डॉ० हरिवंशराय बच्चन हैं। इसमें कवि ने साहसी और सतत् प्रयत्नशील व्यक्तियों का गुणगान किया है। जीवन में प्राय: हर मनुष्य का एक निर्धारित लक्ष्य होता है। अपने इसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु वह अधिक परिश्रम करता है तथा प्रगति के पथ में आ रही अड़चनों का डट कर सामना करता है। असफल होने पर भी वह जोश व उत्साह को कम नहीं होने देता वरन् अपने गुणों; जैसे - निडरता, साहस, उत्साह, संघर्षशीलता को बरकरार रखकर सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ता है। इसके लिए उन्होंने चींटी और गोताखोर का उदाहरण दिया है, जिन्होंने सफलता - प्राप्ति के लिए

Scanned with CamScanner

बार-बार प्रयत्न किए। उन्होंने हार नहीं मानी।

1. हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती
लहरों से डरकर नैया पार नहीं होती।

सन्दर्भ - पाठ का नाम :- हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।

कवि का नाम :- डॉ० हरिवंशराय बच्चन।

पुस्तक का नाम :- 'नूतन सरल हिन्दी माला' भाग - 8

प्रसंग - डॉ० हरिवंशराय बच्चन द्वारा रचित इस प्रेरणादायक कविता का स्वर ओजपूर्ण है। इसमें कवि ने साहसी और कर्मवीर व्यक्तियों का गुणगान किया है और बताया है, कि ऐसे ही व्यक्तियों के प्रयास से देश का कल्याण होगा। और मानव जाति की उन्नति होगी।

अर्थ - इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि अपने लक्ष्य को पाने के लिए हमें निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। निरंतर प्रयास करते रहने वाले को एक न एक दिन सफलता अवश्य मिलती है। नदी के उस पार जाने के लिए नदी को पार करना पड़ता ही है, लहरों से डरकर नदी किनारे बैठे रहने से नदी को पार नहीं किया जा सकता। बिल्कुल उसी तरह जीवन रूपी नदी में निरंतर कोशिश करते रहना चाहिए। तभी हम अपने लक्ष्य को पा सकते हैं।

2. नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है

Scanned with CamScanner

मन का विश्वास हृदय में साहस भरता है
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती ।

अर्थ - कवि नन्हीं चींटी का उदाहरण देकर कहते हैं कि एक नन्हीं सी चींटी अपने वज़न से कई गुना ज़्यादा वज़न वाले दाने को लेकर दीवार पर चढ़ती है, सौ बार फिसलती है, फिर भी वह बार-बार चढ़ती है और अंत में वह सफलता हासिल कर लेती है। इसी प्रकार मनुष्य को भी निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। उसका कठिन परिश्रम बेकार नहीं जाएगा। और उसे एक न एक दिन अपने कार्य में सफलता ज़रूर हासिल होगी।

3. डुबकियाँ सिंधु में गोताख़ोर लगाता है
जा-जाकर खाली हाथ लौट आता है
मिलते न सहज ही मोती पानी में
बढ़ता दुना उत्साह इसी हैरानी में
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती
हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती ।

अर्थ - इन पंक्तियों में कवि ने गोताख़ोरों के सतत परिश्रम का वर्णन किया है। समुद्र में मोती खोजना आसान नहीं होता है।

Scanned with CamScanner

परंतु एक गोताखोर इस काम को करता है। क्योंकि उसके अंदर अदम्य साहस और उत्साह भरा होता है। वह बार-बार डुबकियाँ लगाता है और कई बार उसे खाली हाथ आना पड़ता है लेकिन इस हार से वह निराश नहीं होता है। वह अपना आत्मविश्वास बढ़ाता है और फिरसे प्रयास करता है। जिसके फलस्वरूप अंत में उसे मोती मिल ही जाते हैं, कोई भी काम कठिन नहीं होता है उसे कठिन हम बनाते हैं और यह तब होता है जब हमारे अन्दर विश्वास और हिम्मत की कमी होती है इसलिए हमें अपने अंदर के उत्साह, विश्वास और हिम्मत को कभी मरने नहीं देना चाहिए।

4. असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो
जब तक न सफल हो, नींद चैन सब त्यागो तुम
संघर्ष करो, मैदान छोड़ मत भागो तुम
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती
हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।

अर्थ - कवि कहता है जीवन में हमें जो असफलता मिलती है उसे हमें एक चुनौती की तरह लेना चाहिए और अपनी गलतियों में सुधार करना चाहिए। फिर उन गलतियों में सुधार कर एक योजनाबद्ध तरीके से निरंतर परिश्रम करना चाहिए और अपने लक्ष्य को प्राप्त करके ही दम लेना चाहिए। कभी भी हमें मुश्किल परिस्थिति से घबराकर मैदान छोड़कर नहीं भागना चाहिए। जो निरंतर कोशिश करते हैं, अंत में ऐसे लोगों को ही सफलता मिलती है। इसलिए हमेशा कोशिश करते रहना चाहिए क्योंकि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

Scanned with CamScanner

शब्दार्थ -

1. हिम्मत - साहस
2. नैया - नाव
3. अखरता - बुरा लगना
4. विश्वास - यकीन, भरोसा
5. कोशिश - प्रयत्न
6. सिंधु - सागर
7. सहज ही - आसानी से
8. दूना - दोगुना
9. उत्साह - उमंग, जोश
10. चैन - आराम
11. संघर्ष - लड़ाई
12. गोताख़ोर - जलाशय में गोता या डुबकी लगाने वाला व्यक्ति

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(क) नन्ही चींटी की क्या विशेषता है ?

(ख) उसकी मेहनत कैसे बेकार नहीं जाती ?

(ग) गोताख़ोर को सागर से मोती निकालने के लिए क्या-क्या करना पड़ता है ? यहाँ कवि ने उसका उदाहरण क्यों दिया है ?

(घ) 'चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है' - कवि ने यह पंक्ति किसके लिए लिखी और क्यों ?

(ङ) 'कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(च) 'मैदान छोड़कर भागने' का क्या अर्थ है ?

(छ) किसकी मुट्ठी हर बार खाली नहीं होती ?

(ज) चींटी के हृदय में साहस कौन भरता है ?

Scanned with CamScanner

प्रश्न2. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो

क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो

जब तक न सफल हो, नींद चैन सब त्यागो तुम

संघर्ष करो, मैदान छोड़ मत भागो तुम।

प्रश्न3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए -

1. लहर 2. नैया 3. कोशिश 4. सिंधु 5. हाथ 6. संघर्ष

प्रश्न4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -

1. विश्वास 2. नन्हीं 3. हार 4. मेहनत 5. सफल 6. साहस

प्रश्न5. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए -

(क) हार किसकी नहीं होती है ?
(i) अविश्वासी की (ii) हिम्मत न करने वालों की
(iii) हिम्मत करने वालों की (iv) विश्वासी लोगों की

(ख) नन्हीं चींटी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?
(i) गिरने की (ii) ठहरने की
(iii) एक साथ चलने की (iv) लगातार मेहनत करने की।

(ग) गोताखोर समुद्र में डुबकियाँ क्यों लगाता है ?
(i) नहाने के लिए (ii) मछली पकड़ने के लिए
(iii) गहराई नापने के लिए (iv) मोती पाने के लिए।

(घ) जय-जयकार कब होती है ?
(i) चुनाव जीतने पर (ii) मंदिर में
(iii) कुछ न करने पर (iv) कुछ करने पर।

प्रश्न6. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

1. चुनौती 2. हिम्मत 3. अखरता 4. दुना 5. चैन

——————— END ———————

Scanned with CamScanner